जनपद चमोली में प्र0 ग्रा0 सड़क योजना के अन्तर्गत बुंगीधार –मेहलचौरी–बछवाबाण मोटर मार्ग के कि0मी0 12 से कोलानी लिंक मोटर मार्ग के निर्माण हेतु प्रस्तावित समरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

1. ग्रामीण निर्माण विभाग पी0एम0जी0एस0वाई0 खण्ड, लोक निर्माण विभाग कर्णप्रयाग–1 के अन्तर्गत 5.10 कि0मी0 लम्बाई में बुंगीधार –मेहलचौरी–बछवाबाण मोटर मार्ग के कि0मी0 12 से कोलानी लिंक मोटर मार्ग का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। सहायक अभियन्ता पी0एम0जी0एस0वाई0 खण्ड, लोक निर्माण विभाग कर्णप्रयाग–1 के अनुरोध पर प्रस्तावित समरेखन का अधोहस्ताक्षरी के द्वारा सम्बंधित कनिष्ठ अभियन्ता श्री जगबीर लाल के साथ निरीक्षण किया गया।

2. जनपद चमोली के ब्लाक गैरसैण में ग्रामीण निर्माण विभाग पी0एम0जी0एस0वाई0 खण्ड, कर्णप्रयाग–1 के अन्तर्गत बुंगीधार –मेहलचौरी–बछवाबाण मोटर मार्ग के कि0मी0 12 से कोलानी लिंक मोटर मार्ग 5.10 कि0 मी0 लम्बाई में निर्माण का प्रस्ताव है। मार्ग के निर्माण हेतु प्रस्तावित समरेखन उक्त मार्ग के कि0 मी0 12 से 1:20 के ढाऊन में आरम्भ होता है तथा राम गंगा नदी पार करके निर्धारित लम्बाई पूर्ण करके ग्राम कोलानी के नौगांव तोक में समाप्त होता है। इस मार्ग से गोगीना एवं नौगांव तोक लाभान्वित होगें। क्रास सैक्शन 0/15–16 में मार्ग रामगंगा नदी को पार करेगा जिस पर लगभग 48 मी0 स्पान के सेतु की आवश्यकता होगी। समरेखन सेतु स्थल तक 1:20 के ढाऊन में तथा उसके पश्चात 1:20 के राईज में है। समरेखन में तीन हेयर पिन बैण्डस है, जो क्रास सैक्शन 0/33, 1/22 तथा 3/22 में दिये गये हैं। अवगत कराया गया है कि समरेखन अलग–अलग भाग में आ0 वनभूमि (0.200 कि0मी0 लम्बाई, सिविल भूमि (2.750 कि0मी0 लम्बाई) एवं नाप भूमि में (2.150 कि0मी0 लम्बाई) से होकर गुजरता है। नाप भूमि में पहाड़ी ढलान सामान्यतः 20^0 से 35^0 के मध्य प्रतीत होता है, जबकि अन्यत्र इससे अधिक भी है। समरेखन क्षेत्र में प्रथम दृष्टया कोई अस्थिरता दृष्टिगोचर नहीं हुई।

3. समरेखन क्षेत्र की भूगर्भीय स्थिति, भू–आकृति एवं उक्त प्रस्तर में वर्णित तथ्यों को ध्यान में रखते हुये निम्न सुझाव दिये जा रहे है, जिन्हें प्रस्तावित मार्ग निर्माण में सम्मिलित किया जाना आवश्यक है।

(i) यथासम्भव मार्ग की पूरी चौड़ाई कटान करके प्राप्त की जाये। यह भविष्य में मार्ग की स्थिरता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

(ii) मार्ग के आरम्भ में टेक आफ प्वाइन्ट कम ढलान युक्त स्थिर भूमि में सावधानीपूर्वक बनाया जाये।

(iii) राम गंगा नदी पर सेतु का निर्माण उपयुक्त स्थल पर भूगर्भीय राय के आधार पर कराया जाये।

(iv) सेतु स्थल के समीप मार्ग का कटान सावधानीपूर्वक कराया जाये तथा जहॉ आवश्यक हो सुरक्षात्मक दीवार का निर्माण करा दिया जाये।

(v) यह सुनिश्चित किया जाये कि समरेखन में प्रस्तावित हेयर पिन बैण्ड कम ढलान युक्त स्थिर भूमि में सावधानीपूर्वक बनाये जायें।

(vi) समरेखन के समीप स्थित घरों से सुरक्षित दूरी रखते हुये बिना विस्फोटको का प्रयोग किये मार्ग कटान किया जाये।

(vii) जहॉ मार्ग कटान की ऊंचाई अधिक हो और स्ट्रेटा कमजोर हो, विशेष रूप से बैण्ड्स पर एवं आबादी वाले भाग में, मार्ग कटान के साथ–साथ समुचित ब्रेस्ट वाल का निर्माण कराया जाये।

(viii) जहॉ आवश्यक हो, मार्ग के ऊपर व नीचे पहाड़ी ढलान पर समुचित पौधों का रोपण किया जाये, जिससे ढलानों पर भूक्षरण की प्रकिया को नियंत्रित रखा जा सके।

(ix) वर्षा के पानी की समुचित निकासी हेतु रोडसाईड ड्रेन, स्कपर एवं अन्य कास ड्रेनेज वर्क्स का प्रावधान किया जायें।

(x) कटिंग के दौरान निकले हुये मेटिरियल को पूर्व निर्धारित dumpyard में डाला जाये। खड्ड साइड में फैंकने से भूक्षरण की समस्या उत्पन्न हो सकती है।

(xi) उप्परोक्त के अतिरिक्त पर्वतीय क्षेत्र में मार्ग निर्माण के लिये निर्धारित सिविल अभियान्त्रिकी के अन्य मानकों एवं विशिष्टियों का भी पालन किया जाये।

4 बुंगीधार–मेहलचौरी–बछवाबाण मोटर मार्ग के कि0मी0 12 से कोलानी लिंक मोटर मार्ग निर्माण हेतू 5.10 कि0 मी0 लम्बाई का प्रस्तावित समरेखन वर्तमान परिस्थितियों में उपरोक्त सुझावों के साथ मार्ग निर्माण के लियें उपयुक्त प्रतीत होता है। इस हेतु प्रस्तावित भूमि भूगर्भीय दृष्टि से उपयुक्त है।

टिप्पणी:–

भूमि हस्तांतरण की दृष्टि से समरेखन क्षेत्र में किये गये निरीक्षण एवं खण्ड द्वारा उपलब्ध कराये गये सर्वेक्षण विवरण के आधार पर यह एक जनरलाइज्ड आख्या है। मार्ग कटान के पश्चात् स्थिति में परिवर्तन भी सम्भव है।

H. Kumar 6.10.2018
(हर्ष कुमार)
वरि0 भूवैज्ञानिक (से0नि0)
लोक निर्माण विभाग